

स्टाग्रिक्ष एक्सिक (Manipuri Grammar) स्टाग्रिक्ष ध्यामगरिटिल्ड (Manipuri Composition) ग्राक्ष्मिख गरेड्ड प्रसङ्घा गरेड्डक, (Topic: Praman Amadi Paorou, Chithi Eba,

মানি চষ্ট, আপে চষ্ট Essay Eba)

**നൗ്ട്രന്ദ്ര** (SOLUTIONS)

# र्टेएडाण लक्स्प

## ।। प्रथण भन्न सन्तुर १ ज्यार्थेक दुर्दर्भक रहेर विराधित ।। १

ग्रोज्ञः मेर्जे प्रसाण प्रसाण ग्राह्ण हेंच्य प्रता ग्राहण प्रता ग्राहण प्रता ग्राहण प्रता हेंच्य हेंद्र हिंदी हि

प्राचीय इएड (स्रेमाध्याम) इस स्ट्रिन स्ट्रेड (ख्रीएड४/खरि)

### ॥ द्राधान्य पार्वे कर्या पार्वे निवास स्थान स

गोद्धः (म) प्रज्युष्ट रेगार्ग देत्र हर्यन्याणी त्रेष्णेष्ठपाटीः-

आंख्रित उन्नात केंद्र प्रकात मुख्या केंद्र हेता हमात केंद्र प्रकात मात्रकार प्रकातम् वात्रकार प्रकातम् वात्रकारम् वात्रकारम्य वात्रकारम् वात्रकारम्यात्रकारम् वात्रकारम् वा

(ന) മംബ സ്ലൈ മംബ നിയ, ജ് സ്ലൈ ജ് നിയ:-

मंत्र केल्य आंत्रक्ष त्यात अत्यत्य ॥ स्थल क्ष्म क्ष्

(ट) त्रेज्ञेखए त्रेणटाण ष्टात्रेणए हमऋ॰ण्जः-

ग्रेड्ड प्राप्त केंद्र प्राप्त केंद्र प्राप्त काणकाणी कि स्वाप्त केंद्र प्राप्त काणकाणी कि स्वाप्त काणकाणी कि स्वाप्त काणकाण केंद्र से प्राप्त काणकाण काणकाणी केंद्र से स्वाप्त काणकाण काणकाण

हुक हुक निकास प्रतापक स्थान के स्थान है स्थान स्थान

#### प्रक्रि इंड -

-ग्रायम होते हात प्रायम प्राय

प्रस्ताण क्ष्या प्रति प्रकार प्रति प्रकार अध्या प्रति क्ष्या प्रति प्रकार प्रति प्रकार प्रति प्

- s।। আঠার ভালা (মান্সম দ্রাদ্রমান, মান্সমর নাম্প্রমান স্থান্ত প্রামান্ত প্রমান্ত প্রামান্ত প্রমান্ত প্রামান্ত প্রমান্ত প্রামান্ত প্রমান্ত প্রামান্ত প্রমান্ত প্রামান্ত প্রমান্ত প্রামান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প্রামান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত
- गारेस हजमत् दर्षद गायर्य मञ्जूष जब्हरी वर्ष प्राप्त
- हैं भू अर्थ के स्वाधित ।। अ
- थाणीम गएण मन्या सहरा प्रहत्म प्राप्त
- (での) 凹ま णाष्टदण ॥ २
- हिंग हें कि स्वाप स्व

मयताम्या मध्यत्र त्यात्र स्थात स्

\* পার্রেন তাঁর বাঁর বাঁর বাঁর বাঁর বাঁর বার্তিন করা আর্মন করা আর্মন বার্তিন বার্তিন

(മ്മ്യ മൂമ്മ) 091ജി അമു ഉലംധമംക്രമ (5)

(8)

ण्यभ्रस्य ह्यालाण्य (भ्रास्थास हास्त्रस्य (भ्रास्था)

(%)

of Manipur

### (प्रामाण मेक्नेन)

होशेंडे उपार्वेण ॥ चिष्ठीत्र में शिष्र विषय्भेत्र ॥ त्याप्य विषय्भेत्र विषय्भेत्र ॥ विषय्भेत्र ॥ विषय्भेत्र विषय्भेत्र ॥ विषय्भेत्र विषय्भेत्र विषय्भेत्र ॥ विषय्भेत्र विषय्भेत्र विषय्भेत्र ॥ विषय्भेत्र विषयः विष

ചരി । जाउन उर्दे सुर्व के प्रत्ये के स्वयं विश्व विष्याचन । विष्य प्रत्ये के स्वयं विश्व विष्याच्या । विष्य मुस्स्य विष्याचित्र । विषय । विषय स्वयं विषय स्वयं विषय । व

(৪) সপ্রেন্স বিদ্যাত্তিত গোট্টান চন্দ্রা তচন্দ্রণাত্র)

#### हत ९७७

บล์द्र र्स्म सम्वम गिम्मण मिथित हमग्रीभिष्ट गिम्प्राभिष्ट गिम्प्राभ गिम्प

- (आपार्वर पालम हुहूम मधीरु ष्ठीभिक्षणाद) पान्कर्रिर्प ॥ १

### मोट॰ए लुग्ध

प्रेक्केण:- ख्रेट॰ തുर्ज नेकडली ले<u>ज्ज</u>िन ले<u>ज्ज</u>िन क्रिस्ट मध्य सर्म क्रेक्टिस एक स्वाप्त स

म्मेल्टिक एंग्रिक्स् प्रिया क्षेत्रक प्रथा क्षित्र प्रथा क्षेत्रक प्रथा क्षित्र क्षित्र प्रथा क्षित्र क्षित्र प्रथा क्षित्र क्ष

ന്നു प्रमाणक प्रमाणक

सक्तम प्रेत ယുराबितालय प्रज्ञा ताथ्य प्रश्ने प्रज्ञा ताथ्य ताथ्य

\_\_\_\_